6/4/2020----एनसीईआरटी कक्षा 7 इतिहास अध्याय 9: क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण यूट्यूब व्याख्यान हैंडआउट्स for Competitive Exams- Examrace----Downloaded from examrace.com'

Visit examrace.com for free study material, doorsteptutor.com for questions with detailed explanations, and "Examrace" YouTube channel for free videos lectures

Examrace

एनसीईआरटी कक्षा 7 इतिहास अध्याय 9: क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण यूट्यूब व्याख्यान हैंडआउट्स for Competitive Exams

Doorsteptutor material for UGC is prepared by world's top subject experts: Get detailed illustrated notes covering entire syllabus: point-by-point for high retention.

Get video tutorial on: https://www.YouTube.com/c/ExamraceHindi

नसीईआरटी कक्षा 7 इतिहास (NCERT History) अध्याय 9: क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण

Find this video at: https://www.youtube.com/watch?v=MIK3ariQxaA

Watch this video on YouTube

लोगों को कैसे जोड़ना है?

- भाषा
- भोजन
- संस्कृति
- कपडे
- नृत्य और संगीत
- क्षेत्रीय संस्कृति उपमहाद्वीप के अन्य हिस्सों के विचारों के साथ स्थानीय परंपराओं के परस्पर के परिणाम हैं|

चेर

- महादेयपुरम के चेरा का साम्राज्य
- 9वीं शताब्दी में स्थापित हुआ|
- वर्तमान में केरल में
- भाषा: मलयालम
- लिपि: मलयालम
- आधिकारिक अभिलेख में क्षेत्रीय भाषा का उपयोग करने का सबसे पुराना उदाहरण था|
- केरल के मंदिर सिनेमाघर को संस्कृत महाकाव्य से कहानियां मिलीं|
- 12 वीं शताब्दी में मलयालम में पहला साहित्यिक कार्य
- 14 वीं शताब्दी: लिलातिलाकम, व्याकरण और कविताओं से संबंधित है, मणिप्रवलम में बना था – शाब्दिक रूप से, "हीरे और कोरल" भाषा, संस्कृत और क्षेत्रीय भाषा को संदर्भित करते हैं|

जगन्नाथ धर्म-संप्रदाय

6/4/2020----एनसीईआरटी कक्षा 7 इतिहास अध्याय 9: क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण यूट्यूब व्याख्यान हैंडआउट्स for Competitive Exams- Examrace----Downloaded from examrace.com'

Visit examrace.com for free study material, doorsteptutor.com for questions with detailed explanations, and "Examrace" YouTube channel for free videos lectures

- विष्णु के भक्त
- पुरी, ओडिशा
- देवता की लकडीकी तस्वीर बनाई
- मंदिर 12 वीं शताब्दी में अनंतवर्मन, गंगा राजवंश शासक द्वारा बनाया गया था|
- 1230 में, राजा आनंदभामा III ने अपने राज्य को देवता के लिए समर्पित किया और खुद को भगवान के " सहायक " के रूप में घोषित किया|
- मंदिरों को महत्व मिला|

राजपूतों

- 19वीं शताब्दी राजस्थान में (ब्रिटिश काल में राजपूताना कहा जाता है)
- शासकों के आदर्शों और आकांक्षाओं से जुड़ा हुआ है|
- पृथ्वीराज – आदर्श का योद्धा – कविताओं और गानों में दर्ज कहानियां
- नाटकीय परिस्थितियों और मजबूत भावनाओं– वफादारी, दोस्ती, प्यार, बहादुरी, क्रोध, आदि
- महिलाएं वीर में शामिल थीं|
- सती या अपने पतियों के अंतिम संस्कार पर विधवाओं का बलिदान

कथक

- उत्तर भारत में
- कथ से उत्पन्न हुआ (शब्द संस्कृत में प्रयोग किया जाता है)
- कथ द्वारा उत्तर भारत में कहानी बया की जाति थीं|
- 15 वीं - 16 वीं शताब्दी में नृत्य के रूप में विकसित हुआ – भक्ति आंदोलन का प्रसार
- राधा-कृष्ण की किंवदंतियों लोक नाटकों - रस लीला में अधिनियमित (कथक कहानी- बयान करके बुनियादी संकेतों के साथ संयुक्त लोक नृत्य)
- मुगल को अदालतों में प्रदर्शन किया|
- दो घरानों में विकसित हुआ (जयपुर और लखनऊ)
- वाजिद अली शाह के तहत, अवध के आखिरी नवाब ने तेजी से बढ़ी|
- 19वीं शताब्दी तक यह पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, बिहार और मध्य प्रदेश में फैल गया|
- ब्रिटिश प्रशासक द्वारा अन्याय के रूप में देखा गया|
- आजादी के बाद देश में नृत्य की तरह "शास्त्रीय" रूपों में से एक के रूप में पहचाना गया|

शास्त्रीय: नियमों के आधार पर प्रदर्शन, अन्य शास्त्रीय रूपों में शामिल हैं|

- भरतनाट्यम (तमिलनाडु)
- कथकली (केरल)
- ओडिसी (उड़ीसा)
- कुचीपुडी (आंध्र प्रदेश)
- मणिपुरी (मणिपुर)

लघु चित्रकारी

- छोटे आकार के चित्र
- कपड़े या कागज पर पानी के रंग के साथ किया गया
- कुछ समय पहले हथेली पर पत्तो और लकड़ीसे किया जाता था|
- पश्चिमी भारत में –जैन शिक्षाएं चित्रमय की गई|
- अकबर, जहांगीर और शाहजहां – वहां पर चित्रकार ऐतिहासिक खातों के साथ चित्रित पांडुलिपियों पर शासन करते हैं – शानदार रंगों में सामाजिक जीवन दिखाया गया है|
- चित्रकार मुगल दरबार से राजस्थान के डेक्कन और राजपूत अदालतों में क्षेत्रीय केंद्रों में चले गए|
- पौराणिक कथा और कविता को मेवार, जोधपुर, बुंदी, कोटा और किशनगढ़ जैसे केंद्रों में चित्रित किया गया था|
- हिमाचल प्रदेश में सामान्य – 17 वीं शताब्दी – चित्रकला को बशोली कहा जाता था - चित्रित सबसे लोकप्रिय पाठ भानुदाट्टा के रसमंजारी था – कलाकार नादिर शाह आक्रमण से पहाड़ियों में चले गए और 1739 में दिल्ली की विजय हुई|
- कंगड़ा चित्र की शाला (हिमाचल प्रदेश) – 18 वीं सदी – वैष्णव परंपराओं के साथ लघु चित्र, मुलायम रंग के साथ ठंडा नीला और हरा और विषयों का एक गीतात्मक उपचार किया जाता था|

बंगाल

- भाषा: बंगाली – संस्कृत ग्रंथों से उत्पन्न हुई|
- लेकिन प्रारंभिक संस्कृत ग्रंथों (मध्य पूर्व सहस्राब्दी ईसा पूर्व) सुझाव देते हैं कि बंगाल के लोग संस्कृत भाषा नहीं बोलते थे|
- चौथी तीसरी ईसा पूर्व – बंगाल और मगध के बीच संबंध (दक्षिण बिहार) विकसित हुआ – संस्कृतसे लाया गया|
- चौथी शताब्दी – उत्तर बंगाल में गुप्त और मध्य-गंगा घाटी के साथ संबंध मजबूत हो गए|
- 7 वीं शताब्दी: चीनी यात्री जुआन जांग ने देखा कि संस्कृत से संबंधित भाषाएं पूरे बंगाल में उपयोग में थीं|
- 8 वीं सदी: पलास के तहत
- 14 वीं -16 वीं शताब्दी: सुल्तानों द्वारा नियोजित (दिल्ली में शासकों से स्वतंत्र)
- 1586: अकबर ने बंगाल पर विजय प्राप्त की (फारसी प्रशासन की भाषा थी, बंगाली को एक क्षेत्रीय भाषा के रूप में विकसित किया)

- 15वि शताब्दी: पश्चिम बंगाल में साहित्यिक भाषा द्वारा बंगाली बोलीयां एकजुट हो गईं। आधुनिक बंगाली में गैर-संस्कृत शब्द और जनजातीय भाषा के शब्द शामिल हैं, फारसी इत्यादि|

प्रारंभिक बंगाली साहित्य दो श्रेणियों में बांटा गया:

- संस्कृत के ऋणी में संस्कृत महाकाव्य, मंगलाकायस के अनुवाद शामिल हैं (हूबहू अनुकूल कविताए, स्थानीय देवताओं से व्यवहार) और भक्ति साहित्य जैसे चैतन्यदेव की जीवनी (वैष्णव भक्ति आंदोलन के नेता) – हस्तलिपि है|
- गैर-संस्कृत: नाथ (योगी प्रथाओं) साहित्य जैसे मणनामती और गोपीचंद्र के गीत (मणमती के पुत्र), धर्म ठाकुर की पूजा से संबंधित कहानियां (पत्थर या लकड़ी की पूजा की), और परी कथाएं, लोक कथाओं और गाथागीत – मौखिक रूप से प्रसारित, पूर्वी बंगाल में सामान्य जहां ब्राह्मणों का प्रभाव कमजोर था|

पीर और मंदिर

- 16 वीं शताब्दी: लोग पश्चिम बंगाल के कम उपजाऊ क्षेत्रों से एसई बंगाल के अधिक घने और जंगली इलाकों में स्थानांतरित हुए|
- साफ़ वन – चावल की खेती शुरू की|
- स्थानीय समुदायों और स्थानांतरित करने वाले किसान नए किसान समुदाय के साथ मिल गए है|
- यह सल्तनत की स्थापना के साथ हुआ (मुगल) ढाका में शासन और राजधानी – अधिकारियों ने जमीन प्राप्त की और मस्जिद स्थापित की|
- पीर: उनके पास अलौकिक शक्तिया थी, लोगों ने उनका सम्मान किया, समुदाय नेता, शामिल संत या सूफिस, साहसी उपनिवेशवादियों और देवताओं को समर्पित, विभिन्न हिंदू और बौद्ध देवताओं और यहां तक कि जीवात्म आत्माएं भी उनका सम्मान करती थी|
- 15 वीं -19 वीं शताब्दी: बंगाल में मंदिर का निर्माण मामूली ईंट में से कई और बंगाल में टेराकोटा मंदिरों को कोल्लू जैसे "कम" सामाजिक समूहों के समर्थन के साथ बनाया गया था (तेल निकलनेवाला) और कंसारी (घंटी धातु के श्रमिकों)
- यूरोपीय व्यापार समुदाय – नए आर्थिक अवसर पैदा किए|
- मंदिरों ने दोगुना छत (डोचला) या छत वाली छत की चार छत वाली (चौछला) संरचना की प्रतिलिपि बनाना शुरू किया|
- चार छत की संरचना: चार दीवारों पर रखी चार त्रिकोणीय छत एक घुमावदार रेखा या एक बिंदु पर अभिसरण करने के लिए आगे बढ़ते हैं।मंदिर आमतौर पर एक वर्ग मंच पर बनाया गया था – अंदर की तरफ सादा था और बाहरी दीवार को सजाया गया था|
- मंदिर की उत्कृष्टता - पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में विष्णुपुर
- मछली: बंगालियों के लिए चावल के साथ पारंपरिक भोजन
- मंदिरों और विहारों की दीवारों पर टेराकोटा सजीले टुकड़े (बौद्ध मठ) मछली पहने हुए दृश्यों को चित्रित करते हैं और टोकरी में बाजार में ले जाते हैं|

6/4/2020----एनसीईआरटी कक्षा 7 इतिहास अध्याय 9: क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण यूट्यूब व्याख्यान हैंडआउट्स for Competitive Exams- Examrace----Downloaded from examrace.com'

Visit examrace.com for free study material, doorsteptutor.com for questions with detailed explanations, and "Examrace" YouTube channel for free videos lectures

- बंगाल के ब्राह्मण – स्थानीय आहार में लोकप्रियता के कारण मछली खाने की अनुमति थी – बृहधर्म पुराण के तहत अनुमत बंगाल से 13 वीं शताब्दी संस्कृत पाठ किये जाते थे|

राष्ट्र – यूरोप में राज्य

- 18 वीं शताब्दी तक – साम्राज्य के अधीन थे - ऑस्ट्रो- हंगेरियन साम्राज्य
- 18 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के बाद: आम भाषा के साथ समुदाय के सदस्य के रूप में खुद को पहचानें – फ्रेंच या जर्मन
- 19 वीं सदी: यूनानी के बजाय रुमानिया में रुमानिया पाठशाला में पाठ्यपुस्तकों को लिखा जाना शुरू किया|
- हंगरी में, हंगरी को लैटिन की बजाय आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया गया था।
- लोगों के बीच चेतना बनाई गई कि प्रत्येक भाषाई समुदाय एक अलग राष्ट्र था – बाद में 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में इटालियन और जर्मन एकीकरण के लिए आंदोलनों द्वारा मजबूत किया गया।

-Manishika

Developed by: ***Mindsprite Solutions***